हैपेटाइटिस बी

हैपेटाइटिस बी वाइरस से अल्पावधि (तीव्र) संक्रमण हो सकता है, जिसके लक्षण प्रकट हो भी सकते हैं अथवा नहीं भी। तीव्र संक्रमण के बाद, कम संख्या में संक्रमित वयस्कों (परन्तु अधिकांश संक्रमित शिशुओं) में लगातार संक्रमण विकसित होता है, जिसे क्रोनिक (चिरकालीन) हैपेटाइटिस बी कहा जाता है। क्रोनिक हैपेटाइटिस बी वाले कई रोगी स्वस्थ रह सकते हैं, परन्तु फिर भी वाइरस दूसरों में पहुँचा सकते हैं (क्योंकि वे रोगाणुवाहक होते हैं)। कुछ लोगों में यकृत की गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं। यह वाइरस मुख्यतः यौन संपर्क से, औषधियां इंजेक्ट कराने हेतु सुइयों का कई लोगों के लिए प्रयोग करने से अथवा मां से शिशु में फैलता है।

यकृत (लीवर) का क्या कार्य होता है?

यकृत, पेट के ऊपरी दाएं भाग में होता है। इसके कई कार्य होते हैं, जिनमें निम्न शामिल हैं:

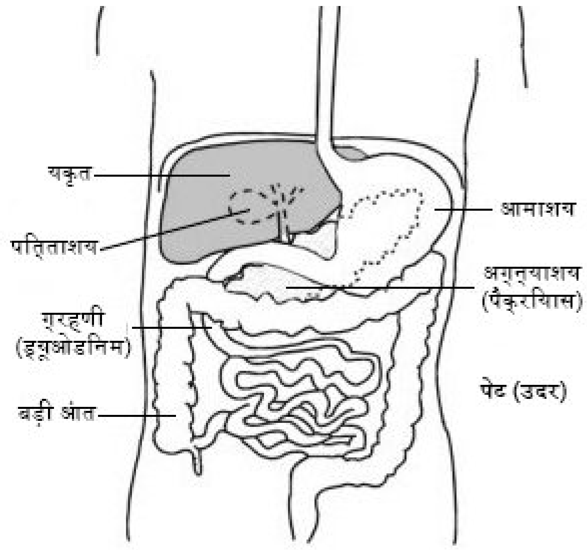

- चीनी से बनने वाले ग्लाइकोजन (शरीर के लिए ईंधन) को संग्रहीत करना। आवश्यकता होने पर, ग्लाइकोजन ग्लूकोस में विखंडित होकर रक्त धारा में प्रवाहित हो जाता है।
- पचे हुए भोजन से वसाओं और प्रोटीनों को संसाधित करने में मदद करना।
- रक्त का थक्का बनने के लिए आवश्यक प्रोटीन बनाना (थक्का बनाने वाले घटक)।
- आपके द्वारा ली जाने वाली कई औषधियों को संसाधित करना।
- शरीर से ऐल्कोहल, विष अथवा विषैले पदार्थों को निकालने अथवा संसाधित करने में मदद करना।
- पित्त बनाना, जो यकृत से आंत तक जाता है और वसाओं को पचाने में मदद करता है।

हैपेटाइटिस तथा हैपेटाइटिस बी क्या है?

हैपेटाइटिस का अर्थ है, यकृत शोथ। हैपेटाइटिस के कई कारण हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, ऐल्कोहल की अधिकता और कई अन्य वाइरसों से हैपेटाइटिस हो सकता है। एक प्रकार के वाइरस को, जिससे हैपेटाइटिस होता है, हैपेटाइटिस बी कहा जाता है। यह पुस्तिका केवल हैपेटाइटिस बी के बारे में है। हैपेटाइटिस के दूसरे प्रकारों ए और सी के बारे में जानकारी हेतु अन्य पुस्तिका देखें।

हैपेटाइटिस बी से कितने लोग प्रभावित हैं?

संक्रमित लोगों की सही संख्या ज्ञात नहीं है। यूनाइटेड किंगडम में 550 लोगों में से लगभग 1 क्रोनिक (चिरकालीन) हैपेटाइटिस बी से संक्रमित माना जाता है। विश्वभर में यह संख्या काफी ज़्यादा है। उदाहरण के लिए, एशिया और अफ्रिका के कुछ भागों में 10 में से 1 से ज़्यादा व्यक्ति क्रोनिक हैपेटाइटिस बी संक्रमित हैं।

हैपेटाइटिस बी कैसे हो सकता है?

मां से शिशु में (कभी-कभी इसे "सीधे संक्रमण" कहा जाता है।)

विश्वभर में वाइरस के फैलने का सबसे सामान्य माध्यम है, संक्रमित मां से शिशु का संक्रमित होना। यह सामान्यतः बच्चे के जन्म के दौरान होता है। यह विश्व के कुछ भागों में बहुत सामान्य रूप से पाया जाता है जहाँ इस वाइरस से कई लोग संक्रमित हैं (परन्तु यह यूनाइटेड किंगडम में बहुत ही कम है)।

एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में (कभी-कभी इसे "समानांतर संक्रमण" कहा जाता है)

संक्रमित लोगों के में रक्त तथा अन्य शारीरिक द्रवों जैसे वीर्य, योनि स्राव एवं लार में वाइरस होते हैं। यूनाइटेड किंगडम में लोग मुख्यतः इस तरह संक्रमित होते हैं:

- **संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित संभोग करना।** (नोट: हैपेटाइटिस बी से पीड़ित कई लोग यह नहीं समझ पाते हैं कि वे संक्रमित हैं तथा संभोग के दौरान वाइरस दूसरे में जा सकता है।)
- **संक्रमित रक्त से।** बहुत कम मात्रा में भी संक्रमित रक्त आपके शरीर के किसी कटे भाग या घाव के संपर्क में आकर आपकी रक्तधारा में प्रवेश करके कई गुना बढ़ सकता है और संक्रमण पैदा कर सकता है। उदाहरण के लिए:
    - इंजेक्शन से औषधि देने के लिए सुइयों का सामूहिक प्रयोग। संक्रमित व्यक्ति को लगाई गई सुई पर रह गई रक्त की थोड़ी सी भी मात्रा संक्रमण को दूसरों में फैलाने के लिए पर्याप्त होती है
    - कुछ और लोग, जिन्हें कई वर्ष पहले रक्त अथवा कोई रक्त उत्पाद दिया गया था, हैपेटाइटिस बी से संक्रमित हो गए थे। अब, यूनाइटेड किंगडम में दान किए जाने वाले सम्पूर्ण रक्त की जांच हैपेटाइटिस बी वाइरस (साथ ही, कुछ अन्य संक्रमणों) लिए की जाती है। अतः, अब रक्त चढ़ाने से हैपेटाइटिस बी होने का जोखिम बहुत ही कम होता है
    - संक्रमित व्यक्ति को लगाई गई सुई से संक्रमण होना।
    - टूथब्रश, रेज़र और रक्त से संक्रमित होने वाली ऐसी ही अन्य चीज़ों का आदान-प्रदान करने से भी वाइरस के सम्पर्क में आने का थोड़ा जोखिम होता है। साथ ही दांतों, चिकित्सा प्रक्रियाओं, त्वचा को गोदने, त्वचा छेदने, आदि के रोगाणुरहित नहीं किए गए उपकरणों से भी खतरा होता है।
    - किसी संक्रमित व्यक्ति द्वारा काटे जाने, अथवा उनका रक्त आपकी त्वचा पर किसी घाव पर अथवा आपकी आंखों में अथवा आपके मुंह में गिर जाने पर।

यह वाइरस सामान्य सामाजिक सम्पर्क, जैसे हाथ पकड़ने, गले लगने, कपों अथवा चीनी मिट्टी के बर्तनों के साझा करने से प्रसारित नहीं होता है।

इसके लक्षण क्या हैं तथा हैपेटाइटिस बी कैसे बढ़ता है?

हैपेटाइटिस बी वाइरस से संक्रमण के दो चरणों के बारे में समझना सहायक होता है। *तीव्र* चरण, जब आप पहली बार संक्रमित होते हैं, और *क्रोनिक* (निरंतर) चरण, जब कुछ मामलों में वाइरस लम्बी अवधि तक बना रहता है।

तीव्र संक्रमण

तीव्र का अर्थ है 'नया' अथवा 'थोड़े समय के लिए'। तीव्र हैपेटाइटिस के लक्षण, वाइरस के पहली बार संक्रमित होने के थोड़े समय बाद (1-6 महीने के भीतर, जो "रोग लक्षण प्रकट होने की अवधि" है) विकसित हो सकते हैं। लक्षणों में शामिल हैं: जी मितलाना, उल्टी आना, पेट दर्द, बुख़ार, और सामान्यतः अस्वस्थ महसूस करना। कुछ लोगों को पीलिया हो जाता है (त्वचा पीली पड़ जाती है)। यह रसायन बिलिरूबिन, जो लीवर में बनता है तथा कुछ लीवर दशाओं में रक्त में प्रवाहित हो जाता है, के जमाव के कारण होता है। (हैपेटाइटिस के कारण पीलिया होने के साथ ही, आपका पेशाब काला हो जाता है, मल पीला हो सकता है, और खुजली जैसी महसूस होती है।)

तीव्र हैपेटाइटिस बी के लक्षण कुछ ही हफ्तों के बाद सामान्यतः गायब हो जाते हैं, क्योंकि रोग प्रतिरक्षण प्रणाली या तो वाइरस को हटा देती है, अथवा इसे नियंत्रित कर देती है। कभी-कभार, तीव्र गंभीर (अकस्मात् पैदा होने वाला) हैपेटाइटिस विकसित होता है, जो प्राणघातक होता है।

लेकिन, लगभग आधे मामलों में, तीव्र चरण में कोई लक्षण विकसित नहीं होते हैं अथवा केवल हल्के 'फ्लू जैसे' लक्षण प्रकट होते हैं। आपको यह जानकारी नहीं भी हो सकती है कि आप हैपेटाइटिस बी से संक्रमित है विशेष रूप से, जन्म के दौरान अपनी मां से संक्रमित होने वाले शिशुओं में प्रथम अवस्था में सामान्यतः कोई लक्षण नहीं होते हैं।

प्रारम्भिक 'तीव्र'चरण के बादः

- वयस्कों में 10 मामलों में से 9 से अधिक मामलों में, 3-6 महीने के भीतर रोग-प्रतिरक्षण प्रणाली शरीर से वाइरस हटा देती है। इस स्थिति में, आपमें कोई संक्रमण नहीं रह जाता है तथा आगे संक्रमण से प्रतिरोध-क्षमता विकसित हो जाती है।
- वयस्कों में 10 मामलों में से 1 मामले तक में, वाइरस लम्बी अवधि तक बना रहता है ('क्रोनिक हैपेटाइटिस बी संक्रमण')। यह तब भी हो सकता है, चाहे आपमें तीव्र चरण में रोग लक्षण प्रकट हुए हों अथवा नहीं।
- अपनी माताओं से संक्रमित 10 शिशुओं में से 9 से अधिक शिशुओं में, वाइरस लम्बे समय तक रहता है।

अतः अन्य शब्दों में, हैपेटाइटिस बी से संक्रमित होने वाले वयस्कों के पूर्ण स्वस्थ होने और वाइरस के निकल जाने की काफी संभावना होती है, परन्तु संक्रमित होने वाले नवजात शिशुओं के मामले में ऐसा नहीं होता है।

क्रोनिक (चिरकालीन) संक्रमण

चिरकालीन संक्रमण वह होता है, जो लम्बे समय तक बना रहता है छः महीनों से भी अधिक समय तक। क्रोनिक हैपेटाइटिस बी संक्रमण से पीड़ित लोगों में सेः

- 3 में से 2 लोग स्वस्थ रहते हैं। आपके शरीर के अंदर वाइरस हो सकता है, परन्तु इससे आपके लीवर अथवा अन्य अंगों को कोई क्षति अथवा इनके लिए समस्याएं पैदा नहीं होती हैं। इसे 'रोगाणुवाहक' अथवा कभी-कभी 'चिरकालीन *निष्क्रिय* हैपेटाइटिस बी' होना कहा जाता है। आपको यह पता नहीं चल सकता है कि आप संक्रमित हैं और रोगाणुवाहक हैं। लेकिन यदि आपमें कोई लक्षण नहीं भी हो, तब भी अन्य लोगों में आपसे वाइरस फैल सकता है और फिर उनमें समस्याएं पैदा हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप संभोग करते हैं अथवा इंजेक्शन से औषधि डालने के लिए सुइयों का सामूहिक रूप से प्रयोग करते हैं, तो आप वाइरस फैला सकते हैं। 5 रोगाणुवाहकों में से लगभग 1 में वाइरस स्वतः ही उनके शरीर से निकल जाता है, परन्तु .यह कई वर्षों बाद हो सकता है।
- कुछ लोगों में लगातार लीवर में सूजन (यकृत शोथ) होती है (जिसे कभी-कभी 'चिरकालीन *सक्रिय* हैपेटाइटिस बी कहा जाता है। इसके लक्षणों में शामिल हैं: मांसपेशियों में दर्द, थकावट, जी मितलाना, भूख न लगना, ऐल्कोहल सहन न करना, यकृत के ऊपर दर्द, पीलिया, अवसाद। इन लक्षणों की तीव्रता भिन्न हो सकती है तथा कुछ लोगों में किसी लक्षण के बिना यकृत शोथ होता है।
- कुछ लोगों में सिरोसिस होता है। सिरोसिस, यकृत में 'दाग लगने' जैसा हो जाना है, जिससे गम्भीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं। जब यह अत्यधिक उग्र हो जाता है, तो 'यकृत कार्य करना भी बंद कर सकता है'। हैपेटाइटिस से संक्रमित होने के बाद '*सिरोसिस*' को विकसित होने में कई वर्ष लग सकते हैं। (देखिए, 'सिरोसिस' नामक पृथक पुस्तिका)।
- सिरोसिस से पीड़ित कम लोगों में कुछ अवधि के बाद लीवर कैंसर विकसित हो जाता है।
- कम लोगों में ही शरीर के अन्य भागों में समस्याएं पैदा होती हैं। उदाहरण के लिए, हैपेटाइटिस बी वाइरस से कभी-कभी गुर्दे को भी क्षति पहुंच सकती है।

हैपेटाइटिस बी का निदान और निर्धारण कैसे किया जाता है?

हैपेटाइटिस बी संक्रमण का निदान

एक सरल रक्त परीक्षण से पता चल सकता है कि आप हैपेटाइटिस बी वाइरस से संक्रमित हैं अथवा नहीं।

संक्रमण की उग्रता का निर्धारण करना

यदि आपको संक्रमित पाया जाता है, तो संक्रमण की उग्रता, यकृत शोथ, यकृत को हुई क्षति के सम्बंध में जांच करने के लिए अन्य परीक्षणों की सलाह दी जा सकती है। उदाहरण के लिए:

- रक्त परीक्षण से वाइरस के विभिन्न भागों का पता चल सकता है। यह निर्धारित कर सकता है कि वाइरस कितना सक्रिय है (यदि यह तेजी से बढ़ता जा रहा है, तो इससे पता चलता है कि इससे यकृत को अधिक नुकसान हो सकता है।
- रक्त परीक्षणों को यकृत कार्यप्रणाली परीक्षण कहा जाता है। ये एन्जाइमों (रसायनों) और यकृत में बने अन्य पदार्थों की क्रियाशीलता मापते हैं। इससे हमें इस बात का सामान्य मार्गदर्शन मिलता है कि क्या यकृत में सूजन या शोथ है, और यह कितना अच्छी तरह से कार्य कर रहा है। पृथक पुस्तिका '*यकृत कार्यप्रणाली*' देखिए।.

- यकृत का अल्ट्रासाउंड स्कैन।
- माइक्रोस्कोप के नीचे देखने के लिए यकृत का बायोप्सी (छोटा नमूना) लिया जा सकता है। इससे किसी भी शोथ और सिरोसिस की सीमा का पता चल सकता है। '*लीवर बायोप्सी* ' नामक पृथक पुस्तिका देखिए।.
- यदि सिरोसिस अथवा अन्य शिकायतें पैदा होती हैं, तो अन्य परीक्षण किए जा सकते हैं।

क्या हैपेटाइटिस बी को रोका जा सकता है?

रोग प्रतिरक्षण

जो कोई व्यक्ति हैपेटाइटिस बी वाइरस से संक्रमित होने के जोखिम में है, उसे रोग से प्रतिरक्षित किए जाने पर विचार किया जाना चाहिए। इनमें शामिल हैं:

- ऐसे कर्मी, जिनके रक्त उत्पादों के सम्पर्क में आने की संभावना रहती है, अथवा जो सुई से लगने वाले घावों, प्रहार आदि के अधिक जोखिम में होते हैं। उदाहरण के लिए: नर्स, डॉक्टर, दंत चिकित्सक, चिकित्सा प्रयोगशाला कर्मचारी, जेल वार्डन, आदि
- संक्रमित व्यक्ति के संभोग सहभागी।
- संक्रमित व्यक्ति के बच्चे और परिवार के सदस्य। (आप, लोगों को स्पर्श करने अथवा केवल सामान्य सामाजिक सम्पर्क से हैपेटाइटिस बी के शिकार नहीं हो सकते हैं। अतः घर में आने वाले लोगों और मित्रों को सामान्यतः कोई जोखिम नहीं होता है। परन्तु निकट नियमित सम्पर्कों के मामले में, यह सबसे बढ़िया रहेगा यदि रोग प्रतिरक्षण किया जाता है।)
- इंजेक्शन से औषधि लेने वाले व्यक्ति, जो सुइयों को सामूहिक रूप से प्रयोग करते हैं।
- जो लोग संभोग से लिए बार-बार सहभागी बदलते हैं।
- उन देशों में जाने वाले यात्री, जहां हैपेटाइटिस बी सामान्य रूप में विद्यमान है।

आपको पूर्ण सुरक्षा के लिए टीके की तीन खुराकों की जरूरत पड़ती है। दूसरी खुराक, को सामान्यतः पहली खुराक के एक महिने बाद दिया जाता है। तीसरी खुराक खुराक के पांच महीने बाद दी जाती है। तीसरी खुराक के एक महीने बाद आपको रक्त परीक्षण कराना चाहिए। इससे यह पता चलता है कि आपमें हैपेटाइटिस बी वाइरस के विरुद्ध रोगाणुनाशक तत्व बन गए हैं और आप रोग प्रतिरक्षण हैं। यह इसलिए होता है क्योंकि कुछ लोगों में टीके की तीन खुराकें पर्याप्त नहीं होती हैं और अधिक खुराकों की आवश्यकता होती है।

वाइरस के सम्पर्क में आने के बाद रोकथाम

यदि आप रोग प्रतिरक्षित नहीं हैं और वाइरस के सम्पर्क में आ जाते हैं, तो आपको तत्काल डॉक्टर से मिलना चाहिए। (उदाहरण के लिए, स्वास्थ्य कर्मी, जिसे सुई चुभने से घाव हुआ हो।) आपको इम्युनोग्लोबुलिन नामक रोगनाशक तत्वों का इंजेक्शन दिया जा सकता है तथा रोग प्रतिरक्षण की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। इससे संक्रमण का विकास रूक सकता है।

जोखिम के अंतर्गत आने वाले नवजात शिशुओं में संक्रमण रोकना

यूनाइटेड किंगडम में सभी गर्भवती महिलाओं को हैपेटाइटिस बी परीक्षण का प्रस्ताव किया जाता है। यदि मां को संक्रमण होता है, तो उसके शिशु को रोगनाशक तत्वों के इंजेक्शन दिए जाते हैं यदि मां

को संक्रमण होता है, तो उसके शिशु को रोगवाहक तत्वों के इंजेक्शन दिए जाते हैं, तथा जन्म के बाद भी रोग प्रतिरक्षण किया जाता है। (यह माना जाता है कि शिशु में वाइरस का संक्रमण मुख्यतः जन्म के दौरान होता है, न कि गर्भावस्था के दौरान।) इस उपचार से, शिशु में संक्रमण विकसित न होने देने की अच्छी संभावना हो जाती है।

मुझे संक्रमण है, मैं वाइरस को दूसरों तक पहुँचाने से कैसे रोक सकता हूँ?
यदि आपको वर्तमान में हैपेटाइटिस बी संक्रमण है, तो आपकोः

- संभोग करते समय कंडोम इस्तेमाल करना चाहिए। साथ ही, दोनों सहभागी हैपेटाइटिस बी के लिए परीक्षण कराना चाहेंगे, और यदि उचित हो, तो रोग प्रति प्रभाव से मुक्त होना चाहेंगे।
- इंजेक्शन लगाने वाले उपकरणों, जैसे सुइयों, सिरिंजों आदि का सामूहिक प्रयोग नहीं करना चाहिए।
- रक्त अथवा वीर्य दान नहीं करना चाहिए, अथवा डोनर कार्ड धारण नहीं करना चाहिए।
- रेज़र, टूथब्रश आदि को सामूहिक रूप से प्रयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि वे रक्त से संक्रमित हो सकते हैं।
- किसी भी कटे भाग अथवा घाव को ड्रैसिंग से ढकना चाहिए।
- यदि किसी दुर्घटना के बाद आपका रक्त फर्श अथवा अन्य सतहों पर गिर जाता है, तो यह सुनिश्चि करें कि इसे विरंजक (ब्लीच) द्वारा साफ कर दिया जाता है।

हैपेटाइटिस बी का उपचार क्या है?

तीव्र चरण के लिए उपचार
कोई भी उपचार वाइरस को नहीं हटा सकता है। यदि आप में पहली बार संक्रमित होने पर लक्षण नज़र आते हैं, तो उपचार का उद्देश्य इन लक्षणों को तब तक कम करने में मदद करना है जब तक ये स्थिर होकर समाप्त नहीं हो जाते हैं। उदाहरण के लिए, निर्जलीकरण से बचने के लिए अत्यधिक पानी पीना। बहुत ही कम मामलों में उग्र हैपेटाइटिस विकसित होता है, जिसमें विशेषज्ञ द्वारा हॉस्पिटल में उपचार किए जाने की जरूरत पड़ सकती है। ऐसा कोई उपचार नहीं है जो तीव्र हैपेटाइटिस बी को चिकालीन होने से रोक पाए।

चिरकालीन संक्रमण के लिए उपचार
चिरकालीन संक्रमण से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को उपचार की ज़रूरत नहीं पड़ती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि रोग कितना 'सक्रिय' है। इस उपचार का मुख्य उद्देश्य, सक्रिय रोग को गंभीर यकृत शोथ और सिरोसिस में परिवर्तित होने से रोकना है। यकृत रोग विशेषज्ञ इस सम्बंध में सलाह देगा कि उपचार से कब मदद मिल सकती है। संक्षेप मेंः

- यदि परीक्षण से पता चलता है कि वाइरस अधिक सक्रिय नहीं है (धीरे-धीरे बढ़ रहा है) तथा यकृत में कम अथवा कोई सूजन नहीं है, तब आपको सिरोसिस जैसी गंभीर यकृत समस्याओं के पैदा होने का जोखिम कम रहता है। आपको संभवतः उपचार की ज़रूरत नहीं होगी। आपको सलाह दी जा सकती है कि आप यकृत पर निगरानी रखने के लिए वर्ष में एक बार कुछ

परीक्षण कराएं।

- यदि परीक्षण से पता चलता है कि वाइरस तेजी से बढ़ता जा रहा है, अथवा आपके यकृत में लगातार सूजन रहती है, तब उपचार की सलाह दी जा सकती है। आपको इंटरफेरोन अथवा लैमिवुडीन जैसी वाइरल-रोधी औषधियां दी जा सकती हैं। ये औषधियां शरीर से वाइरस को समाप्त नहीं करती है। ये वाइरस को बढ़ने से रोकती है। इससे यकृत शोथ को उग्रता और क्षति को कम करने अथवा रोकने में मदद मिल सकती है।

वाइरल रोधी उपचार प्रत्येक मामले में असर नहीं करता है और इसके दुष्प्रभाव कष्टकारी हो सकते है। नई औषधियां विकसित की जा रही हैं और ये वर्तमान उपचारों से बेहतर साबित हो सकती हैं।

यदि आपके यकृत को गंभीर क्षति पहुंच चुकी है, तो तब यकृत प्रतिरोपण एक विकल्प हो सकता है। लेकिन, निरंतर हैपेटाइटिस बी संक्रमण से नया यकृत भी अंततः खराब हो सकता है।

आहार और ऐल्कोहल

क्रोनिक (चिरकालीन) हैपेटाइटिस बी से पीड़ित अधिकांश व्यक्तियों को सलाह दी जाएगी कि वे सामान्य संतुलित आहार लें। सैद्धांतिक रूप में, यकृत शोथ वाले किसी भी व्यक्ति को ऐल्कोहल नहीं लेना चाहिए, अथवा बहुत ही कम मात्रा में लेना चाहिए। यदि आपको पहले से ही यकृत शोथ है, तो ऐल्कोहल से सिरोसिस विकसित होने का जोखिम और गति बढ़ जाती है।

अधिक सहायता और जानकारी

ब्रिटिश लीवर ट्रस्ट (British Liver Trust)
Portman House, 44 High Street, Ringwood, BH24 1AG
फोन: 01425 463080 वेब: www.britishlivertrust.org.uk

© EMIS और PIP 2004 नवीनतम रूपान्तर: अक्टूबर 2004, पुनरीक्षा तिथि: नवम्बर 2005 CHIQ मान्यताप्राप्त

विस्तृत रोगी संसाधन निम्न वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। www.patient.co.uk